7. Discuss the importance of gender concerns and body boundaries in contemporary childhood. Why is it crucial to address these issues in today's society and what measures can be taken to ensure children's well-being? (18)

समकालीन बचपन में लैंगिक चिंताओं और शारीरिक सीमाओं के महत्व पर चर्चा करें। आज के समाज में इन मुद्दों का समाधान करना क्यों महत्वपूर्ण है और बच्चों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

8. Write short notes on **any two** – (9,9)

(a) Street children

(b) Educational inequality

(c) Bullying/Violence in schools

(d) Children in institutional setting

किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें–

(क) सड़क पर रहने वाले बच्चे

(ख) शैक्षिक असमानता

(ग) स्कूलों में बदमाशी/हिंसा

(घ) संस्थागत सेटिंग में बच्चे

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3054 **I**

Unique Paper Code : 2204002001

Name of the Paper : Challenges in Contemporary Childhood

Name of the Course : **B.Sc. (Hons.) Home Science, NEP-UGCF**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **5** questions in all and each question carries equal marks.
3. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. सभी में 5 प्रश्नों का उत्तर करें और प्रत्येक प्रश्न समान अंक के हैं ।

3. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Explain the concept of the social construction of childhood. What challenges do children face due to caste and gender biases and how do these affect their development and opportunities? (9,9)

बचपन के सामाजिक निर्माण की अवधारणा को स्पष्ट करें। जाति और लैंगिक पूर्वाग्रहों के कारण बच्चों को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और ये उनके विकास और अवसरों को कैसे प्रभावित करते हैं?

2. Analyze the impact of socio-economic disadvantages on childhood. How do poverty and marginalization affect the development and experiences of children in India? (6,12)

बचपन पर सामाजिक-आर्थिक नुकसान के प्रभाव का विश्लेषण करें। भारत में गरीबी और हाशियाकरण बच्चों के विकास और अनुभवों को कैसे प्रभावित करते हैं?

3. Examine the different contexts of childhood in India. Explain with an example how childhood experiences in rural and tribal areas of different contexts shape the lives of children? (9,9)

भारत में बचपन के विभिन्न संदर्भों का परीक्षण करें। एक उदाहरण के साथ बताएं कि विभिन्न संदर्भों में ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में बचपन के अनुभव बच्चों के जीवन को कैसे आकार देते हैं?

4. Describe the challenges faced by children in difficult circumstances in India. (18)

भारत में कठिन परिस्थितियों में बच्चों के सामने आने वाली चुनौतियों का वर्णन करें।

5. Evaluate the role of schools in shaping childhood experiences. Discuss the impact of educational inequity and learning diversity on children's development in India. (18)

बचपन के अनुभवों को आकार देने में स्कूलों की भूमिका का मूल्यांकन करें। भारत में बच्चों के विकास पर शैक्षिक असमानता और सीखने की विविधता के प्रभाव पर चर्चा करें।

6. Describe the contemporary challenges children face in the digital era. Discuss issues how cyberbullying impacting on children. (18)

डिजिटल युग में बच्चों के सामने आने वाली समसामयिक चुनौतियों का वर्णन करें। उन मुद्दों पर चर्चा करें कि साइबरबुलिंग का बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ रहा है।